वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 289 गुरुवार 19 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्यपाल ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया

महिलाएं अपनी अंतर्निहित शक्ति का उपयोग राष्ट्र विकास में करें: बागड़े

आईआईएस यूनिवर्सिटी का ग्यारहवां दीक्षांत समारोह

मन बना लें तो किसी भी बाधा से मुकाबला किया जा सकता है

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि महिला अबला नहीं सबला हैं। यह मन में लाकर यदि महिलाएं आगे बढ़ेंगी तभी समाज तेजी से विकास की ओर आगे बढ़ेगा। राज्यपाल बागड़े बुधवार को आईआईएस यूनिवर्सिटी के ग्यारहवें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं किसी से कम नहीं है। उन्होंने झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को याद करते हुए कहा कि मात्र बीस वर्ष की उम्र में उन्होंने अंग्रेजों को चुनौती दी थी। उम्र कोई मायने नहीं रखती। मन यदि बना लें तो किसी भी बाधा से मुकाबला किया जा सकता है।

छात्राएं जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी रहें

राज्यपाल ने निडरता के साथ सकारात्मक सोच रखते हुए छात्राओं को जीवन के हर क्षेत्र में अग्रणी रहने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वविद्यालयों में बौद्धिक क्षमता बढ़ाने, विद्यार्थी को एकाग्रता से पढ़ने के लिए प्रेरित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र समृद्धि हम सभी का प्रथम लक्ष्य होना चाहिए।

महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा: दिया कुमारी

इससे पहले राज्यपाल बागड़े ने दीक्षांत समारोह में प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को आईआईएस यूनिवर्सिटी की ओर से सामाजिक एवं सामुदायिक सेवा क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए डी.लिट की मानद उपाधि से सम्मानित किया। उन्होंने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को दीक्षांत अवसर पर स्वर्ण पदक और उपाधियां प्रदान की। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अपने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का सबसे बड़ा आधार है। उन्होंने बालिका शिक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी तभी समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने महिलाओं को शिक्षा के साथ अवसर प्रदान करने की सोच से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने छात्राओं को भविष्य के अवसरों का भरपूर उपयोग करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व. अशोक गुप्ता का स्मरण करते हुए उन्होंने कहा कि महिला शिक्षा के लिए संस्थान की स्थापना कर उन्होंने अनुकरणीय पहल की। चांसलर अमित गुप्ता और कुलगुरु टी. एन. माथुर ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

राज्यपाल ने लार्ड मैकाले द्वारा देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति को लागू कर देश में गुलाम मानसिकता का निर्माण करने की चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से शिक्षा की वही पद्धति चली आ रही थी। भारत सरकार ने भारत को फिर से उसकी ज्ञान परंपरा से उन्नत करने के लिए नई शिक्षा नीति को देश में लागू किया। यह नीति भारत को विश्वगुरु बनाने के भाव से जुड़ी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत ऐसी शिक्षा दिए जाने पर जोर दिया जिससे देश के पास मौजूद 240 करोड़ हाथों के जरिए राष्ट्र को मजबूत करने के लिए किया जाना चाहिए।

श्री अनंतनाथ एवं श्री अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव भक्तिभाव से संपन्न

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

स्थानीय बापू नगर स्थित श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को तीर्थंकर अनंतनाथ एवं अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने जानकारी दी कि महोत्सव का शुभारंभ प्रातः मूलनायक श्री पद्मप्रभु भगवान सहित सभी जिन-प्रतिमाओं के सामूहिक महामस्तकाभिषेक के साथ हुआ। इसके पश्चात, श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से अभिषेक की क्रिया संपन्न की। शांतिधारा का सौभाग्य प्रकाश अग्रवाल, राजकुमार शाह, पूनम चन्द सेठी और चांदमल जैन को प्राप्त हुआ। महोत्सव के मुख्य चरण में लक्ष्मीकांत जैन द्वारा निर्वाणकाण्ड का सस्वर पाठ किया गया। इसके उपरांत, उपस्थित धर्मावलंबियों ने सामूहिक रूप से उत्साहपूर्वक निर्वाण लाडू अर्पित कर भगवान अनंतनाथ व अरहनाथ के मोक्ष कल्याणक की खुशियाँ मनाईं। श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना कर अर्घ्य समर्पित किए और विश्व शांति की कामना की। संध्या काल में भक्ति का विशेष वातावरण निर्मित हुआ, जब 48 दीपों के साथ भक्तांबर की भव्य महाआरती उतारी गई। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण में समाज का योगदान

पर्यावरण प्रकृति का वह अमूल्य उपहार है, जिसके बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, हरे-भरे वन, विविध जीव-जंतु और संतुलित जलवायु—ये सब पर्यावरण के ही अंग हैं। लेकिन बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण और आधुनिक जीवन-शैली के कारण पर्यावरण को गंभीर क्षति पहुँच रही है। ऐसे समय में पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से प्रकृति की रक्षा करे, तो पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सकता है। पेड़-पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना पर्यावरण बचाने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है। वृक्ष न केवल हमें ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि जलवायु को संतुलित रखते हैं और अनेक जीव-जंतुओं का आश्रय भी बनते हैं। इसलिए समाज को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए और वनों की कटाई को रोकने का प्रयास करना चाहिए। स्वच्छता भी पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि समाज के लोग अपने आसपास सफाई रखें, कचरे को इधर-उधर न फैलाएँ और प्लास्टिक के उपयोग को कम करें, तो प्रदूषण को काफी हद तक रोका जा सकता है। आज प्लास्टिक प्रदूषण एक बड़ी समस्या बन गया है, इसलिए समाज को कपड़े या कागज के थैलों का उपयोग करने की आदत अपनानी चाहिए।

जल संरक्षण में भी समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। जल जीवन का आधार है, परंतु जल स्रोत तेजी से घटते जा रहे हैं। वर्षा जल संचयन, पानी का सीमित उपयोग और जल स्रोतों की सफाई जैसे कार्यों में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इसके साथ-साथ समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी प्रयास करना चाहिए। बच्चों और युवाओं को प्रकृति के महत्व के बारे में शिक्षित करना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनें। अंततः यह कहा जा सकता है कि पर्यावरण की रक्षा केवल कानूनों या योजनाओं से संभव नहीं है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेगा, तब तक पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य अधूरा रहेगा। यदि हम सब मिलकर प्रकृति की रक्षा का संकल्प लें, तो पृथ्वी को हरा-भरा, स्वच्छ और सुरक्षित बनाया जा सकता है। यही हमारे और आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे बड़ी गारंटी है।

अनिल माथुरः ज्वाला-विहार, जोधपुर

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, कल्याण नगर
दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल, सीताबाड़ी सांगानेर

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 22 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : जैन भवन प्रेम कॉलोनी
कल्याण नगर, टोंक रोड़, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
अध्यक्ष : श्री दुलीचन्द जैन, मानद मंत्री : श्री दिनेश धाडूका
दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल
अध्यक्ष : श्रीमती अंजली जैन, मंत्री : श्रीमती शैला धाडूका
मुख्य संयोजक : प्रमोद-सोनल सोनी (9928566561)

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति द्वारा 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन महासमिति (महिला एवं युवा महिला संभाग) की सरावगी मोहल्ला इकाई के तत्वावधान में 'घर-घर मंगलाचार' कार्यक्रम का भक्तिमय आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम खटोला पोल स्थित छोटे धड़े के दिगंबर जैन मंदिर में श्रीजी के सम्मुख ऊजार्वान सदस्या अल्का कासलीवाल के संयोजन में संपन्न हुआ।

गाजे-बाजे के साथ मंदिर पहुँचे इंद्र-इंद्राणी

इकाई अध्यक्ष किरण गोधा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत अत्यंत अनूठे ढंग से हुई। तीर्थंकर बालक के माता-पिता बनने का सौभाग्य महिमा बड़जात्या (माता त्रिशला) एवं गोपाल (पिता राजा सिद्धार्थ) को प्राप्त हुआ। उन्हें उनके निवास स्थान से मंदिरजी तक गाजे-बाजे और नृत्य के साथ शोभायात्रा के रूप में लाया गया, जिससे पूरा मोहल्ला धर्ममय हो गया।

भजन और भक्ति की बही धारा

इकाई मंत्री राखी जैन ने कार्यक्रम के विवरण साझा करते हुए बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ दिव्या छाबड़ा द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर ज्योति सेठी व अंकिता कासलीवाल ने मधुर भजनों के माध्यम से भक्ति प्रस्तुत की।

जन्म कल्याणक: बालक के जन्म की खुशी में रूबल पाटनी ने भक्ति नृत्य किया। साथ ही भावना बाकलीवाल, किरण और सीमा कासलीवाल द्वारा गाए गए भजनों पर उपस्थित सभी महिलाएँ झूम उठीं।

महासमिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने सफल आयोजन के लिए सरावगी मोहल्ला इकाई की सभी सदस्याओं की सराहना की। उन्होंने सभी आयोजकों का सम्मान करते हुए आह्वान किया कि धर्म की इस प्रभावना को भविष्य में भी इसी ऊर्जा के साथ जारी रखा जाए।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप अग्रसेन

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 22 मार्च 2026
प्रातः 9 से 3 बजे तक

स्थान : प्रियंका हार्ट एण्ड जनरल हॉस्पिटल
मानसरोवर, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: संयोजक ::
राहुल जैन (मो. 982867119)
सुमति जैन (मो. 9269072681)
पवन जैन (मो. 9251664870)

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

आस्था

भगवान झूलेलाल और चेटीचंड

भारतीय संस्कृति में अनेक ऐसे देव-स्वरूप हैं जो न केवल आस्था के केंद्र हैं, बल्कि संघर्ष, साहस और अटूट विश्वास के प्रतीक भी हैं। सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल ऐसे ही एक दिव्य अवतार हैं। उन्हें उदेरोलाल, लालसाईं, अमरलाल और जिंद पीर जैसे अनेक नामों से पूजा जाता है। उन्हें जल के देवता वरुण का अवतार माना जाता है। सिंधी समुदाय के लिए उनकी भक्ति केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और अस्तित्व की रक्षा का गौरवशाली इतिहास है। ऐतिहासिक जनश्रुतियों के अनुसार, सिंध प्रांत पर मिरख शाह नामक एक क्रूर शासक का शासन था। उसने हिंदू समाज को इस्लाम स्वीकार करने या मृत्यु चुनने का आदेश दिया। इस संकट की घड़ी में पूरा हिंदू समाज सिंधु नदी के तट पर एकत्र हुआ और वरुण देव से रक्षा की प्रार्थना की। चालीस दिनों तक कठिन तपस्या और व्रत किया गया, जिसे आज भी 'चालीहा साहब' के रूप में श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है। चालीसवें दिन सिंधु की लहरों से आकाशवाणी हुई कि अत्याचारी का अंत करने के लिए स्वयं वरुण देव, नसीरपुर नगर के रतनराय और माता देवकी के घर अवतार लेंगे। चैत्र मास की द्वितीया तिथि (संवत 1007) को चेटीचंड के पावन दिन बालक उदयचंद का जन्म हुआ, जिन्हें स्नेह से 'झूलेलाल' कहा गया। बालक झूलेलाल के जन्म के साथ ही चमत्कारों का क्रम आरंभ हो गया। जब उन्होंने अपना मुख खोला, तो माता देवकी को उसमें बहती हुई सिंधु नदी और धारा के विपरीत तैरती 'पाला मछली' पर विराजे एक वृद्ध पुरुष के दर्शन हुए। यह इस बात का संकेत था कि यह बालक साधारण नहीं, अपितु विपरीत परिस्थितियों को मोड़ने वाली ईश्वरीय शक्ति है। जब मिरख शाह ने उन्हें बंदी बनाने के लिए अपनी सेना भेजी, तो झूलेलाल ने अपने विराट स्वरूप का दर्शन कराया। अंततः जब मिरख शाह के महल को दिव्य अग्नि ने घेर लिया, तब वह भयभीत होकर प्रभु के चरणों में गिर पड़ा। भगवान झूलेलाल की करुणा से उसका हृदय परिवर्तन हुआ। आज भी उन्हें हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रतीक के रूप में 'जिंद पीर' कहा जाता है। भगवान झूलेलाल का जन्मोत्सव 'चेटीचंड' सिंधी समाज के लिए नववर्ष के समान है।

संपादकीय

नवरात्रि का आध्यात्मिक मर्म

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि शक्ति की संचित आराधना का महापर्व है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक मनाए जाने वाले इस उत्सव को 'वासंतिक नवरात्रि' कहा जाता है, जो नव संवत्सर के आगमन का प्रतीक है। वर्ष भर में कुल चार नवरात्रि आती हैं शारदीय, वासंतिक और दो गुप्त नवरात्रि। इन पावन दिनों में आदिशक्ति मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों के पूजन का विधान है। आध्यात्मिक दृष्टि से शक्ति का

स्वरूप अत्यंत उदात्त और मंगलकारी है। मां जगत जननी ही सृष्टि का आदि कारण हैं, जिन्हें पराशक्ति कहा गया है। इनके विविध रूप दुर्गा, काली, गायत्री, तारा, भुवनेश्वरी, बगलामुखी और पद्मावती ब्रह्मांड के विभिन्न आयामों को संचालित करते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में मां शैलपुत्री से लेकर मां सिद्धिदात्री तक नौ स्वरूपों की पूजा होती है। साधक पवित्र मन से शुभ मुहूर्त में घट स्थापना कर व्रत का संकल्प लेते हैं। यह व्रत स्त्री और पुरुष दोनों के लिए समान रूप से फलदायी है, जिसमें अपनी श्रद्धा अनुसार फलाहार या एक समय भोजन का नियम पालन किया जाता है। भारत के विभिन्न राज्यों में स्थानीय मान्यताओं के अनुसार इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि में कुमारी कन्याओं का पूजन साक्षात मां दुर्गा का विग्रह माना गया है। अष्टमी और नवमी के दिन कन्या भोज, हवन और नैवेद्य अर्पण के साथ अनुष्ठान की पूर्णता होती है। नवरात्रि का समापन प्रभु श्री राम के प्राकट्य उत्सव 'रामनवमी' के साथ होता है। इस दिन घर-घर में रामायण पाठ और प्रभु के दिव्य चरित्र का स्मरण किया जाता है, जिससे साधक को श्री राम की असीम कृपा प्राप्त होती है। 'प्रकृति' शब्द तीन अक्षरों प्र, क्र और ति से बना है। 'प्र' सत्व, 'क्र' रज और 'ति' तम का प्रतीक है। इन तीन गुणों के सामंजस्य से ही त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) सृष्टि की रचना, पालन और लय करते हैं। उपनिषदों के अनुसार, सृष्टि के आरंभ में केवल एक ही देवी थी, जिन्होंने संपूर्ण ब्रह्मांड को उत्पन्न किया। देवी भागवत स्पष्ट करता है कि बिना शक्ति के आत्मदेव भी सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हैं। गीता और विष्णु पुराण में भी जीव को पराशक्ति और माया को अपराशक्ति के रूप में व्याख्यायित किया गया है। शक्ति की महत्ता का प्रमाण महाभारत में भी मिलता है, जहां भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को विजय प्राप्ति हेतु दुर्गा की उपासना का उपदेश दिया था। साधना की दृष्टि से 'दुर्गा सप्तशती' का पाठ अत्यंत फलदायी है। यदि साधक ब्रह्मचर्य और पूर्ण निष्ठा के साथ गुरु के मार्गदर्शन में अनुष्ठान करता है, तो उसे अभीष्ट फल की प्राप्ति अवश्य होती है। पाठ के उपरांत दशांश होम, तर्पण, मार्जन और ब्राह्मण भोजन का विशेष विधान है। देवी साधना का वास्तविक उद्देश्य साधक के अंतर्मन का परिमार्जन है। नियमित साधना से विचारों में रूपांतरण होने लगता है और मन में सत्य, अहिंसा, करुणा, दया तथा समभाव जैसे दैवीय गुणों का विकास होता है। अहंकार का नाश होता है और साधक यह समझने लगता है कि वह केवल एक 'निमित्त' है; वास्तविक कर्ता तो मां भगवती की इच्छा, ज्ञान और क्रिया शक्ति ही है। मां का हृदय अत्यंत कोमल और उदार है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

मन की प्रसन्नता

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कुदरत द्वारा रचित इस खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन को अनेक गुण दोषों के साथ संजोया है। ईश्वर ने मनुष्य को इन भावों के सही उपयोग के लिए सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमत्ता भी प्रदान की है। अब यह स्वयं मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह गुण-दोष, सुख-दुख और हर्ष-विषाद में से किसका चुनाव कर अपने जीवन को सफल या असफल बनाता है। मेरा मानना है कि प्रसन्नता का चुनाव पूरी तरह से व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता और उसके दृष्टिकोण पर आधारित होता है। प्रसन्नता केवल एक भाव नहीं, बल्कि स्वयं द्वारा निर्मित एक दिव्य औषधि के समान है। खुलकर हंसना और मुस्कुराना मन के समस्त दुखों को नष्ट कर देता है। प्रसन्नचित्त व्यक्ति अपने कर्मों में कभी विफल नहीं होता, क्योंकि उसकी बुद्धि सदैव स्थिर और संतुलित रहती है। ऐसे व्यक्ति के गुणों की सुगंध समाज में दूर तक फैलती है और उसका हँसमुख व्यक्तित्व आसपास के लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। प्रसन्नता एक ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे हम जितना दूसरों में बांटते हैं, यह उतना ही बढ़ता चला जाता है। खिलखिलाता चेहरा और आंखों की चमक वह दुर्लभ पूंजी है, जो सुकून से जीने की असली कुंजी है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता और सहिष्णुता मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्रोत हैं। जब हम दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढते हैं, तब यह भाव और भी प्रगाढ़ हो जाता है। हमें जीवन की छोटी-छोटी उपलब्धियों में सुख ढूंढने का प्रयास करना चाहिए। यदि हम वैश्विक स्तर पर देखें, तो संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी 'विश्व प्रसन्नता सूचकांक' (वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स) में प्रसन्नता को एक 'वैश्विक टॉनिक' माना गया है। आश्चर्य की बात है कि विकास की दौड़ में आगे होने के बावजूद भारत सहित कई देश इस सूचकांक में काफी पीछे हैं। फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देश जहां शीर्ष पर हैं, वहीं भारत की रैंकिंग चिंताजनक है। यह इस बात को रेखांकित करता है कि आर्थिक प्रगति के साथ-साथ मानसिक संतोष की दिशा में हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

मानसिक गुण और शारीरिक लाभ

प्रसन्नता एक मानसिक गुण है, जिसे दैनिक अभ्यास से विकसित किया जा सकता है। यह अंतर्मन में छिपी उदासी, तृष्णा और कुंठा जैसे मनोविकारों को जड़ से समाप्त करने की चुंबकीय शक्ति रखती है। एक प्रसन्न व्यक्ति किसी खिलाड़ी की भांति जीवन की जय-पराजय और सुख-दुख को समान भाव से स्वीकार करता है। उसकी एकाग्रता केवल अपने लक्ष्य पर होती है। अपनी इच्छाओं से संतुष्ट रहना और जटिल समस्याओं में भी सकारात्मकता ढूंढना ही प्रसन्न रहने का मूल मंत्र है। प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। असफलता मिलने पर वह दूसरों को दोष देने के बजाय आत्मनिरीक्षण करता है। अनुभवी लोग बताते हैं कि कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव इस दैवीय वरदान से वंचित रह जाते हैं। जो व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों के जीवन में खुशियां भरता है, वही समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम होता है। उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि प्रसन्नता आत्मा को अपार शक्ति प्रदान करती है। प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया जिम्मेदारी का बोझ भी हल्का महसूस होता है। यह संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की वह सुखद यात्रा है, जो हमारे शारीरिक और मानसिक कल्याण को सुनिश्चित करती है।

इंदौर पोरवाड़ समाज ने आचार्य श्री वर्धमान सागर जी को वर्ष 2027 के चातुर्मास हेतु श्रीफल भेंट किया

जयपुर/इंदौर. शाबाश इंडिया

'भावनाओं से ही कार्य सिद्ध होते हैं और चातुर्मास का योग, संयोग व पुरुषार्थ से ही मिलन होता है।' उक्त मंगल प्रवचन वात्सल्य वारिधि, पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने जयपुर के राणा जी की नसिया, चूलगिरी में इंदौर से आए पोरवाड़ समाज के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहे।

2027 के चातुर्मास हेतु इंदौर की अर्जी

आचार्य श्री वर्तमान में 35 पिच्छी धारी संघ सहित जयपुर में विराजित हैं, जहाँ देशभर से श्रद्धालु वर्ष 2026 के वषायोग हेतु निवेदन कर रहे हैं। इसी क्रम में, इंदौर पोरवाड़ समाज ने दूरदर्शिता दिखाते हुए वर्ष 2027 के चातुर्मास हेतु आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल भेंट कर मंगल निवेदन किया। अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी की प्रेरणा तथा पोरवाड़ समाज के भरत भाई जीरभार एवं अध्यक्ष नमीष टेमी के मार्गदर्शन में, पूर्व अध्यक्ष सुदर्शन जटाले सहित 60 से अधिक सदस्यों ने संघ के दर्शन किए। समाज ने मुनिश्री दर्शित सागर जी, आर्यिका श्री दर्शनामति, देशना मति, महायश मति, निर्मोह मति और पद्म यश मति माताजी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

आचार्य श्री का मंगल उपदेश

भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा, ''वर्ष 2026 का चातुर्मास राजस्थान में होना निश्चित है। आपने वर्ष 2027 के लिए अपनी अर्जी फाइल में लगा दी है, जिस पर भविष्य में विचार किया जाएगा। चातुर्मास केवल श्रीफल चढ़ाने से नहीं, बल्कि योग-संयोग और प्रतीक्षा से सिद्ध होते हैं। संघ को लाने के लिए आपको पुरुषार्थ करना होगा और आहार चर्या के प्रति अपनी भावनाओं को सुदृढ़ बनाना होगा।'' उन्होंने भक्तों को अपनी-

अपनी कॉलोनियों के जिनालयों में भक्ति बढ़ाने की प्रेरणा दी।

इंदौर की विभिन्न कॉलोनियों का प्रतिनिधित्व

राजेश पंचोलिया के अनुसार, इस अवसर पर इंदौर की लगभग सभी प्रमुख कॉलोनियों के मंदिरों और समाज के सदस्यों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इसमें नेमीनगर, सुदामानगर, स्कीम नं. 71, गुमास्ता नगर, कालानी नगर, राजेन्द्र नगर, सुमतीधाम, विजयनगर, सुखलिया, बंगाली चौराहा, तिलकनगर और वैशाली नगर आदि क्षेत्रों के श्रद्धालु शामिल थे।

महिला संगठन की सक्रिय भागीदारी:

पोरवाड़ महिला संगठन की ओर से उपाध्यक्ष निपूण शरद जैन, अध्यक्ष जया अजीत जैन, सचिव कविता जैन सहित प्रफुल्ल जटाले, मोना शिरीष जैन और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। साथ ही शरद जैन, अजीत जैन, विमल-अनीता जैन, डॉ. बिंदु जैन, विनोद सेठिया, अरविन्द सेठिया और समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने अहिल्या नगरी इंदौर में चातुर्मास करने का सामूहिक निवेदन किया।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'नवकार' का होली मिलन एवं फाग उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप 'नवकार' द्वारा होली के पावन पर्व पर 'होली मिलन एवं फाग उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 15 मार्च को मुहाना मंडी स्थित पारस विहार के चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ।

कार्यक्रम का गरिमामय शुभारंभ

ग्रुप के अध्यक्ष मोहनलाल गंगवाल ने बताया कि दोपहर को अल्पाहार के पश्चात कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ कनकलता, निर्मला रारा, स्नेहलता पांड्या एवं प्रेमलता सेठी द्वारा प्रस्तुत सुमधुर मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र कुमार बज व वीरबाला बज रहे, जबकि दीप प्रज्वलन प्रशांत त्यागी एवं सुशीला त्यागी द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं मनोरंजन

फाग उत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने सभी का मन मोह लिया:

राधा-कृष्ण नृत्य: अलका जैन एवं दिनेश कुमार (एडवोकेट) ने राधा-कृष्ण के स्वरूप में अत्यंत मनोहारी नृत्य की प्रस्तुति दी।

सामूहिक फाग नृत्य: कौशल्या जैन, सुनीता जैन, आशा जैन, कु. सानवी तोतूका, कु. अश्वनी गंगवाल, अंजना जैन और अभय जैन ने होली व फाग गीतों पर सराहनीय नृत्य प्रस्तुत किए।

सभी सहभागी सदस्यों का माल्यार्पण कर

उपहार भेंट कर सम्मान किया गया। अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से नृत्य का आनंद लिया।

विशिष्ट सम्मान एवं सेवा कार्य

इस अवसर पर राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अंशु डांडिया को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। साथ ही, मंदिर समिति के अध्यक्ष पवन कुमार गोदिका का अभिनंदन किया गया और ग्रुप की ओर से मंदिर हेतु 25,000/- रुपये की सहयोग राशि प्रदान की गई।

प्रमुख व्यवस्थाएं

मंच संचालन: शशि सेन जैन, प्रो. सुशीला टोंग्या एवं कार्यक्रम संयोजिका चन्द्र कांता छाबड़ा ने कुशलतापूर्वक कार्यक्रम का

संचालन किया।

ठंडाई सेवा: वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार बाकलीवाल द्वारा सभी आगंतुकों के लिए ठंडाई वितरण की व्यवस्था की गई।

उपहार वितरण: ग्रुप के सभी सदस्यों को स्मृति चिन्ह के रूप में 'गुलाब शर्बत' की बोतल भेंट की गई।

कार्यक्रम के अंत में सचिव विजय कुमार पांड्या एवं कार्याध्यक्ष सुरेश जैन (बांदीकुई) ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर जन्मोत्सव: वीर ग्रुप के शिविर में 47 यूनिट रक्तदान, 128 मरीजों की हुई निःशुल्क जांच

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2625वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बुधवार को राजधानी के सीकर रोड स्थित कुकरखेड़ा के 'खाद्य पदार्थ व्यापार संघ एसोसिएशन भवन' में विशाल सेवा शिविर का आयोजन किया गया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन (राजस्थान रीजन) के तत्वावधान और सन्मति ग्रुप के सहयोग से दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'वीर', जयपुर द्वारा आयोजित इस स्वैच्छिक रक्तदान एवं निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर ने सेवा की नई मिसाल पेश की।

रक्तदान और स्वास्थ्य जांच के आंकड़े

शिविर में युवाओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके फलस्वरूप 47 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत 128 मरीजों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क परामर्श और स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। 27 मरीजों को मोतियाबिंद के निःशुल्क ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया, जिनका ऑपरेशन विद्याधर नगर स्थित शंकरा आई हॉस्पिटल में किया जाएगा।

व्यापक चिकित्सकीय सेवाएं

शिविर में नेत्र, दंत, बीपी, शुगर, मलेरिया, ब्लड ग्रुप के साथ-साथ सिफिलिस, हेपेटाइटिस एवं एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियों की जांचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं। डॉक्टरों के परामर्श पर मरीजों को एलोपैथी व होम्योपैथी दवाइयां और कमजोर नजर वाले व्यक्तियों को चश्मों का निःशुल्क वितरण भी किया गया।

सहयोगी संस्थान

इस पुनीत कार्य में मणिपाल हॉस्पिटल, शंकरा आई हॉस्पिटल, एसडीएमएच हॉस्पिटल ब्लड बैंक, क्लोव डेंटल एवं सानत्व होम्योपैथी क्लीनिक की विशेषज्ञ टीमों ने अपनी समर्पित सेवाएं प्रदान कीं।

आभार और गरिमामयी उपस्थिति

शिविर संयोजक व जयपुर रीजन सचिव तथा वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज जैन एवं सचिव पंकज जैन ने समाजसेवी मनोज जैन, तारेश जैन सहित सभी रक्तदाताओं और चिकित्सा टीमों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर रीजन सचिव सुनील बज, शिविर मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या, राकेश गोदिका, अनिल रांवका और नितेश सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनकपुरी में आर्यिका संघ के सानिध्य में मनाया दो तीर्थंकरों का मोक्ष कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी-ज्योतिनगर जैन मंदिर में आर्यिका रत्न 105 अर्हम श्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में चैत्र कृष्ण अमावस्या (बुधवार) के अवसर पर जैन धर्म के 14वें तीर्थंकर भगवान अनंतनाथ एवं 18वें तीर्थंकर भगवान अरहनाथ का निर्वाणोत्सव श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर निर्वाण काण्ड का वाचन किया गया तथा श्रद्धालुओं ने मोक्ष कल्याणक के अर्घ अर्पित करते हुए निर्वाण लाडू समर्पित किए। दोनों तीर्थंकरों का निर्वाण शाश्वत तीर्थ सम्मेद शिखर से हुआ था। कार्यक्रम के दौरान शांतिधारा, पूजन एवं 108 जाप्य का आयोजन किया गया। संघस्थ आर्यिका संस्कृत श्री माताजी ने देव और गुरु के दर्शन के महत्व को समझाते हुए कहा कि हमें उनके गुणों को अपने जीवन में अपनाने का भाव रखना चाहिए। मोक्ष कल्याणक के इस पावन अवसर पर आर्यिका अर्हम श्री माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि विवेकपूर्ण कार्यों से ही मोक्ष की प्राप्ति संभव है। जब तक जीवन में राग और मोह रहेगा, तब तक मोक्ष का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही, मोक्ष कल्याणक की पूर्व संध्या (चतुर्दशी) पर आर्यिका माताजी के सानिध्य में भक्तामर दीप अर्चना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

महावीर ट्रस्ट, ग्रुप फेडरेशन एवं दिगम्बर जैन समाज द्वारा 'मोक्ष रथ' सेवा प्रारंभ

प्रथम यात्री बने महान शिक्षाविद डॉ. माधव परांजपे

इंदौर. शाबाश इंडिया

महावीर ट्रस्ट, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं दिगम्बर जैन समाज, इंदौर के संयुक्त सेवा प्रकल्प के अंतर्गत 'मोक्ष रथ' (शव वाहन) सेवा का शुभारंभ किया गया। इस सेवा के प्रथम यात्री प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. माधव परांजपे बने, जिन्होंने अपनी सांसारिक जीवन यात्रा की अंतिम विदाई इसी मोक्ष रथ के माध्यम से पूर्ण की। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि मोक्ष रथ सेवा का पहला दिन दिगम्बर जैन समाज के लिए गर्व का विषय बन गया। उन्होंने कहा कि इंदौर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के गौरव, प्रख्यात शिक्षाविद डॉ. माधव परांजपे जी इस सेवा के प्रथम यात्री बनकर इसे सदैव के लिए स्मरणीय एवं जीवंत बना गए। डॉ. माधव परांजपे जैसे महान व्यक्तित्व का इस संसार से जाना न केवल इंदौर शहर, बल्कि उनके हजारों विद्यार्थियों एवं समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान से यह शहर सदैव गौरवान्वित रहेगा और उनके प्रति ऋणी रहेगा। महावीर ट्रस्ट, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन एवं दिगम्बर जैन समाज ने भी इस बात पर गौरव व्यक्त किया कि मोक्ष रथ की प्रथम सेवा शिक्षा एवं समाज के प्रति समर्पित एक श्रेष्ठ शिक्षाविद की अंतिम विदाई को समर्पित हुई। उनके निधन पर महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, राकेश विनायका तथा दिगम्बर जैन समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जैनेन्द्र जैन, सुशील पांड्या, आनंद गोधा, हंसमुख गांधी, टी.के. वेद, कीर्ति पांड्या, प्रदीप चौधरी आदि ने दिवंगत डॉ. माधव परांजपे को विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।

महावीर इंटरनेशनल नौगामा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी 'ग्रामीण क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष' अवार्ड से सम्मानित

बांसवाड़ा/नौगामा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल के बांसवाड़ा-डूंगरपुर जॉन अधिवेशन में नौगामा शाखा के अध्यक्ष एवं गवर्नर काउंसिल सदस्य सुरेश चंद्र गांधी को वर्ष 2024-25 के लिए 'ग्रामीण क्षेत्र का सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष' अवार्ड प्रदान किया गया है। आनंद फार्मा हाउस में आयोजित इस भव्य अधिवेशन में संभाग की कुल 22 शाखाओं के बीच नौगामा शाखा को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए चुना गया।

गरिमामय समारोह में सम्मान

अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन (सीए, दिल्ली), अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौतम राठौड़, जॉन अध्यक्ष पृथ्वीराज जैन और जॉन सचिव विनोद दोसी के सानिध्य में सुरेश चंद्र गांधी का पगड़ी पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि राकेश मीणा, आनंद फार्मा हाउस के निदेशक अनिल जैन, गवर्निंग काउंसिल सदस्य हर्षवर्धन जैन, अजीत कोटिया और जॉन कोषाध्यक्ष नीरव जैन सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

साहित्यिक विमोचन और सेवा का संकल्प

अधिवेशन के दौरान नौगामा शाखा के वीर उत्सव गांधी और प्रसिद्ध कवि नरेंद्र नंदन की नवीन पुस्तक का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया। सम्मान प्राप्त करने के बाद सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि 'सबकी सेवा, सबको प्यार' के ध्येय वाक्य के साथ नौगामा शाखा वर्ष 2004 से ही सेवा कार्यों में अग्रणी रही है।

वर्ष पर्यंत चलने वाले मुख्य सेवा कार्य

शाखा द्वारा मानवता और जीव दया के लिए निरंतर निम्नलिखित कार्य किए जाते हैं...

स्वास्थ्य सेवा: जीवन रक्षक किट का वितरण और विशाल मेडिकल कैंपों का आयोजन।

जीव दया: पक्षियों के लिए सकोरा वितरण और दाना-पानी की व्यवस्था।

जरूरतमंदों की सहायता: शीतकाल में स्वेटर वितरण और नवजात शिशुओं के लिए बेबी किट का वितरण।

राष्ट्रीय भावना: राष्ट्रीय पर्वों पर झंडा वितरण और जन-जागरूकता कार्यक्रम।

महात्मा रामचंद्र वीर विश्रांतिका सभागार का शिलान्यास, विधायक ने की 20 लाख की घोषणा

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कस्बे के वीर विहार में रविवार को आचार्य स्वामी सोमेंद्र महाराज के सानिध्य में 'महात्मा रामचंद्र वीर विश्रांतिका सभागार' (वरिष्ठ जन आवास) का भूमि पूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। आचार्य श्री के जन्मोत्सव पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक कुलदीप धनखड़ ने मंत्रोच्चार के साथ शिलान्यास किया। इस अवसर पर विधायक धनखड़ ने भावुक संबोधन में कहा कि माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए युवा पीढ़ी को संस्कारों से जुड़ने की सीख दी। महाराज श्री के पुनीत कार्यों की सराहना करते हुए विधायक ने अपने कोष से इस निर्माण कार्य हेतु 20 लाख रुपये स्वीकृत करने की घोषणा की। आचार्य स्वामी सोमेंद्र ने बताया कि वृद्धजनों हेतु 11 कमरों का निर्माण हो चुका है और 4 अतिरिक्त कमरे प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम में झींडा वाले बालाजी के महंत सोहनलाल, ट्रस्टी पुरुषोत्तम शर्मा सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक और भक्तगण उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

रक्तदान शिविर: निवाई में मानवता की मिसाल, 38 सदस्यों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

निवाई. शाबाश इंडिया

'नर सेवा ही नारायण सेवा है' के ध्येय को चरितार्थ करते हुए दिगंबर जैन महासमिति (राजस्थान महिला अंचल) के तत्वावधान में निवाई इकाई द्वारा विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस पुनीत कार्य में समाज के लगभग 38 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर संकटकाल में जीवन बचाने का संकल्प लिया। महिला अंचल राजस्थान की अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला बिंदायका ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। उन्होंने विशेष रूप से श्रीमती शशि जैन के अथक परिश्रम और

समर्पण की सराहना की। श्रीमती बिंदायका ने कहा कि शशि जी के नेतृत्व और ममता सांवलिया के सक्रिय सहयोग के कारण ही महासमिति निरंतर ऐसे मानवीय सरोकारों से जुड़े प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने में सफल हो रही है। महासमिति की सचिव सुनीता गंगवाल ने सभी रक्तदाताओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों से समाज में सेवा और सहयोग की भावना सुदृढ़ होती है। कोषाध्यक्ष उर्मिला ने जानकारी दी कि राजस्थान महिला अंचल की ओर से निवाई की पूरी टीम को इस सफल और व्यवस्थित आयोजन के लिए हार्दिक साधुवाद प्रेषित किया गया है। इस शिविर ने न केवल रक्त संग्रहण में योगदान दिया, बल्कि युवाओं को भी इस परोपकारी कार्य के प्रति जागरूक किया।

समय का सत्य और मनुष्य का भ्रम

''समय बड़ा बलवान है, कर दे राजा रंक।
राम भरोसे जो रहे, सह ले हर इक डंक।।''

यह पंक्तियाँ केवल कहने भर की नहीं हैं, बल्कि जीवन का गहरा सत्य अपने भीतर समेटे हुए हैं। मनुष्य चाहे कितना भी शक्तिशाली, धनवान या प्रभावशाली क्यों न हो, समय के सामने उसकी एक नहीं चलती। इतिहास साक्षी है कि बड़े-बड़े साम्राज्य समय के प्रवाह में बह गए, और जो कभी शिखर पर थे, वे भी एक दिन सामान्य हो गए। यही कारण है कि समय को सबसे बड़ा शिक्षक और न्यायाधीश कहा गया है। जब समय साथ देता है, तो हर कार्य सहज हो जाता है; और जब समय विपरीत होता है, तो छोटे-से-छोटे काम में भी बाधाएँ आने लगती हैं। इसलिए अहंकार करना मूर्खता है, क्योंकि जो आज हमारे पास है, वह कल नहीं भी रह सकता। दूसरी ओर, जो व्यक्ति हर परिस्थिति में धैर्य रखता है और भगवान या अपने कर्मों पर विश्वास बनाए रखता है, वह कठिन से कठिन समय को भी पार कर लेता है। ''राम भरोसे जो रहे'' का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति कर्म करना छोड़ दे, बल्कि इसका आशय है कि वह अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाते हुए परिणाम को ईश्वर पर छोड़ दे। ऐसा व्यक्ति दुख और संकट के डंक भी सहन कर लेता है, क्योंकि उसे विश्वास होता है कि यह समय भी बीत जाएगा।

जीवन में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जो व्यक्ति इन परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखता है, वही सच्चा विजेता होता है। आज के दौर में लोग थोड़ी-सी सफलता मिलते ही स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझने लगते हैं और दूसरों को छोटा दिखाने में लग जाते हैं। परंतु समय का चक्र घूमते देर नहीं लगती। जो आज ऊपर है, वह कल नीचे भी आ सकता है। इसलिए हमें अपने व्यवहार में विनम्रता और संयम बनाए रखना चाहिए। साथ ही, जब समय कठिन हो, तो निराश होने के बजाय धैर्य और विश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए—यही जीवन का मूल मंत्र है। अंततः, समय हमें यही सिखाता है कि न तो अच्छे समय में अहंकार करें और न ही बुरे समय में हार मानें। जो व्यक्ति इस संतुलन को समझ लेता है, वही जीवन में सच्ची सफलता और आंतरिक शांति प्राप्त करता है। इसलिए समय का सम्मान करें, अपने कर्मों पर ध्यान दें और ईश्वर पर विश्वास बनाए रखें—यही मार्ग हमें हर परिस्थिति में मजबूत बनाता है।

नितिन जैन: संयोजक—जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष — अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल, मोबाइल: 9215635871

सिद्धों की आराधना से होता है पापों का क्षय

बच्चों को संस्कारवान बनाने हेतु लाएं विधान में: मुनि श्री पूज्य सागर

इंदौर. शाबाश इंडिया। भगवान अनंतनाथ एवं अरहनाथ के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर बुधवार को अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के सानिध्य में वैभव नगर से भव्य पालकी यात्रा निकाली गई। श्वेत वस्त्रधारी श्रावकों और केसरिया साड़ियों में सजी महिलाओं के जयकारों से पूरा मार्ग धर्ममय हो गया। वैभव नगर के पद्मप्रभु जिनालय से प्रारंभ हुई यह यात्रा उदय नगर स्थित सिद्धचक्र महामंडल विधान स्थल पहुंची, जहाँ आर्यिका मां विज्ञान मति माताजी ससंघ विराजित हैं। मुनि श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि सिद्धों की भक्ति से ही कर्मों की निर्जरा

संभव है। उन्होंने पालकों का आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को भी विधान में अवश्य लाएं ताकि नई पीढ़ी धर्म और संस्कारों से जुड़ सके। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि संस्था के अध्यक्षों—विनय बाकलीवाल एवं आनंद गोधा ने मुनि श्री व माताजी को 30 मार्च की महावीर जयंती शोभायात्रा हेतु श्रीफल समर्पित कर आमंत्रित किया। यात्रा के संयोजक विद्यासागर सोशल ग्रुप व प्लैटिनम ग्रुप रहे। अंत में वैभव नगर जिनालय में ध्वज वंदन व शांतिधारा संपन्न हुई। 19 मार्च को प्रातः कालीन शोभायात्रा कंचन बाग स्थित समोसरण मंदिर से निकलेगी।

भगवान महावीर के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने हेतु भव्य भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के 'जियो और जीने दो' के अमर संदेश और उनके सिद्धांतों से युवा पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सकल दिगंबर जैन समाज, जनकपुरी एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह कार्यक्रम आर्यिका अर्हम श्री माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

संस्कारों से जुड़ते युवा

कार्यक्रम संयोजक नवल जैन ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य 10 से 25 वर्ष तक के अविवाहित युवाओं को भगवान महावीर के आदर्शों से अवगत कराना है। प्रतियोगिता में कुल 16 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ओजस्वी प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल की सदस्य सुमन जैन एवं कनक श्री जैन ने सभी 16 प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें दूसरे चरण के लिए चयनित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री अजय कुमार जैन एवं श्रीमती संतोष जैन (डाबर वाले, लवकुश नगर परिवार) द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर राजस्थान जैन सभा के महासचिव मनीष वेद, मुख्य संयोजिका राखी जैन और अनिल छाबड़ा की गरिमामय उपस्थिति रही। अतिथियों का स्वागत बुद्धि प्रकाश जैन, पदम चंद बिलाला, देवेंद्र काशलीवाल, ज्ञान जी और राजेन्द्र ठोलिया द्वारा तिलक लगाकर व माला पहनाकर किया गया।

पुरस्कार वितरण एवं आभार

मंच संचालन डॉ. इंद्र कुमार जैन ने कुशलतापूर्वक किया। प्रतियोगिता में सम्मिलित सभी उत्साहवर्धक प्रतिभागियों को अजय कुमार जैन, संतोष जैन, विवेक जैन और रुचि जैन (डाबर परिवार) द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य संयोजिका राखी जैन ने सभी आगंतुकों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

ललितपुर ने अशोक नगर को दी कड़ी टक्कर: मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज

देवगढ़ में 28 मार्च से पंचकल्याणक महोत्सव

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि ललितपुर ने अशोक नगर को अगवानी के मामले में अच्छी टक्कर दी है। यद्यपि यह कोई प्रतियोगिता नहीं है, फिर भी श्रद्धा और भावनाओं का विशेष महत्व होता है। ललितपुर समाज ने थूवोनजी पदयात्रा में भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि जब हम दूसरों की खुशियों में सहभागी होते हैं, तो वह खुशी लौटकर हमारे पास ही आती है। वे अभिनन्दनोदय तीर्थ, ललितपुर में आयोजित विशाल धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे।

पंचायत कमेटी ने श्रीफल भेंट कर किया निवेदन

अशोक नगर पंचायत कमेटी ने मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर निवेदन किया। कमेटी के सदस्य विपिन सिंघई ने बताया कि चातुर्मास के बाद पूज्य गुरुदेव का उत्तर प्रदेश में प्रवेश हुआ, जहां उन्हें राजकीय अतिथि घोषित किया गया। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल, उपाध्यक्ष अजित वरोदिया, महामंत्री राकेश अमरोद, पंचकल्याणक महोत्सव के कुबेर शैलेन्द्र दद्दा, चक्रवर्ती संजीव आगर तथा पंचायत कमेटी के सदस्य विपिन सिंघई, हेमंत टडैया, आर.जे. जैन सहित अन्य प्रमुख जनों ने श्रीफल भेंट कर नगर में चल रहे जिनालयों के कार्य हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि अशोक नगर की सीमा पर स्थित प्राचीन तीर्थ क्षेत्र

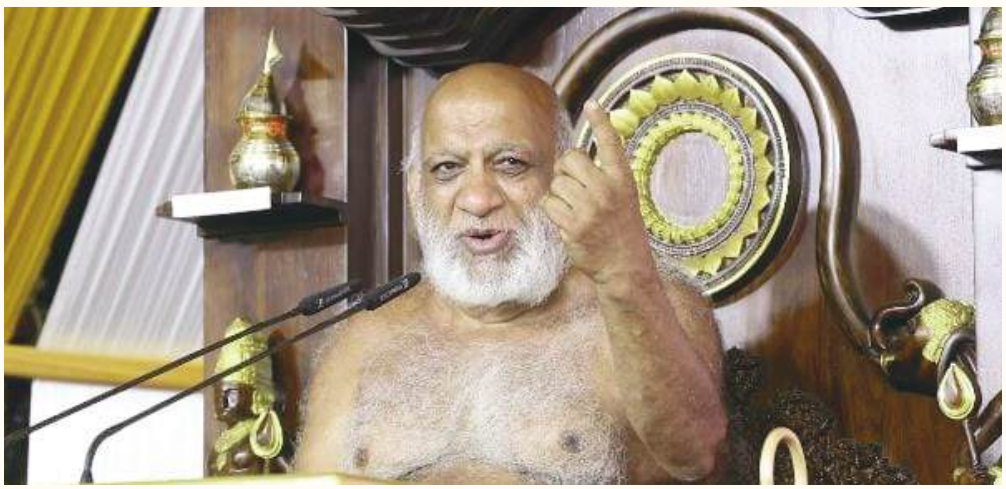

देवगढ़ में परम पूज्य मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य एवं प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के निर्देशन में 28 मार्च से श्रीमद् जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन होगा। महोत्सव का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ होगा। इसमें अंचल भर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

गुरुदेव को राजकीय अतिथि घोषित करना हमारा सौभाग्य: मंत्री, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री मनोहर लाल जी ने कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद इस अंचल को निरंतर मिलता रहे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूज्य गुरुदेव को राजकीय अतिथि घोषित कर स्वयं को सौभाग्यशाली माना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का भी यही संदेश है कि हमारी संस्कृति के संरक्षण के साथ देश के विकास के लिए निरंतर कार्य किया जाए।

संतों का भाव—सर्वजन कल्याण

इस अवसर पर मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि साधु-संतों का उद्देश्य सदैव समस्त प्राणीमात्र के कल्याण की कामना करना होता है। भारतीय संस्कृति में दया और करुणा को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस प्रकार भगवान श्रीराम ने ऋषि विश्वामित्र के मार्गदर्शन में धर्म और संस्कृति की स्थापना की, उसी प्रकार हमारी संस्कृति सदियों से मानवता को मार्गदर्शन देती आ रही है।

भक्ति, विरह और मिलन का संगम: श्रीकृष्ण कथा में गूंजे रास पंचाध्यायी और रुक्मिणी विवाह के प्रसंग

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के बिड़ला सभागार में ओके प्लस समूह के अध्यक्ष ओमप्रकाश मोदी एवं स्नेहलता मोदी की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य श्रीकृष्ण कथा का बुधवार को भक्तिमय समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन पूज्य श्री पुण्डरीक गोस्वामी जी महाराज ने रासलीला के गूढ़ रहस्यों, गोपी गीत और रुक्मिणी विवाह जैसे प्रसंगों से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया।

रास: जीवात्मा का परमात्मा से मिलन

महाराज श्री ने रासलीला की व्याख्या करते हुए कहा कि रास कोई साधारण काम-क्रीड़ा नहीं, बल्कि जीवात्मा का परमात्मा से मिलन का सर्वोच्च आध्यात्मिक उत्सव है। उन्होंने बताया कि जब भगवान अंतर्ध्यान हुए, तब गोपियों के विरह से उपजा 'गोपी गीत' केवल विलाप नहीं, बल्कि शरणागति की पराकाष्ठा है। भगवान केवल उन्हीं को प्राप्त होते हैं जो अपने सूक्ष्म अहंकार का पूरी तरह त्याग कर देते हैं।

ज्ञान पर प्रेम की विजय: उद्धव चरित्र

कथा के अगले चरण में उद्धव चरित्र का मार्मिक वर्णन किया गया। महाराज श्री ने बताया कि कैसे परम ज्ञानी उद्धव, ब्रज की गोपियों के निस्वार्थ और अनन्य प्रेम को देखकर नतमस्तक हो गए। इस प्रसंग ने सिद्ध किया कि ईश्वर को केवल शास्त्रों के ज्ञान से नहीं, बल्कि शुद्ध प्रेम और निष्काम भाव से ही जीता जा सकता है।

रुक्मिणी विवाह और अटूट विश्वास

श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह प्रसंग के दौरान महाराज श्री ने कहा कि विदर्भ राजकुमारी रुक्मिणी साक्षात लक्ष्मी स्वरूपा हैं। उनका प्रसंग सिखाता है कि यदि भक्त का अपने आराध्य पर अटूट विश्वास हो, तो भगवान स्वयं उसकी रक्षा के लिए दौड़े चले आते हैं। रुक्मिणी जी का समर्पण ही था जिसने

द्वारकाधीश को उन्हें अपनाने पर विवश कर दिया। विवाह प्रसंग के दौरान पूरा सभागार मंगल गीतों और पुष्प वर्षा से सराबोर हो गया। भक्तों ने झूमकर नृत्य किया और भगवान के जयकारे लगाए। इस आध्यात्मिक आयोजन में मुख्य रूप से अजय कृष्णा मोदी, विजय कृष्ण मोदी एवं अतुल कृष्ण मोदी सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त उपस्थित रहे। कथा के अंत में महाआरती के पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

अमूर्तन के उस्ताद ज्योति स्वरूप को समकालीनों ने किया याद: 'राजस्थान के पहले मौलिक आधुनिक चित्रकार थे ज्योति'

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिछली सदी के छठे दशक में पारंपरिक राजस्थानी शैली की सीमाओं को लांघकर अमूर्त कला के प्रणेता बने विलक्षण चित्रकार ज्योति स्वरूप को बुधवार को कला जगत ने शिद्दत से याद किया। राजस्थान दिवस समारोहों की श्रृंखला में जवाहर कला केंद्र द्वारा आयोजित एक विशेष विचार संगोष्ठी में वक्ताओं ने उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के अनछुए पहलुओं पर प्रकाश डाला।

आकृतियों में भी अमूर्तन तलाशते थे ज्योति: हेमंत शेष

कला एवं संस्कृति के मर्मज्ञ, लेखक और पूर्व प्रशासनिक अधिकारी हेमंत शेष ने मुख्य वक्ता के रूप में स्वर्गीय ज्योति स्वरूप को 'राजस्थान का पहला मौलिक आधुनिक चित्रकार' बताया। उन्होंने कलाकार के साथ अपनी दीर्घकालीन चचाओं को साझा करते हुए कहा, ''ज्योति स्वरूप केवल कैनवास पर ही नहीं, बल्कि आकृतियों, वेशभूषा और अपने व्यवहार में भी अमूर्तन के अनूठे चितेरे थे।'' उन्होंने 1960 से 1980 के कालखंड को कलाकार का 'स्वर्णकाल' बताते हुए उनके अद्वितीय कला-बोध को रेखांकित किया।

'इनर जंगल' श्रृंखला ने दिलाई वैश्विक पहचान

प्रख्यात कला समीक्षक डॉ. अंबालाल दमामी ने ज्योति स्वरूप के कार्यों को विलक्षण बताते हुए कहा कि उन्होंने स्थापित धाराओं के दबाव से मुक्त होकर नए प्रतिमान रचे। उन्होंने

कहा, ''वह मूलतः एक कवि हृदय कलाकार थे, तभी 'इनर जंगल' जैसी चित्रों की वह अद्भुत श्रृंखला रच पाए, जिसकी सराहना विश्व भर के कला पारखियों ने की।''

हुसैन और सूजा भी थे उनकी कला के मुरीद

कलाकार के अभिन्न मित्र और प्रख्यात चित्रकार आर.बी. गौतम ने एक महत्वपूर्ण संस्मरण साझा करते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार मकबूल फिदा हुसैन और एफ.एन. सूजा भी ज्योति स्वरूप की मौलिकता के प्रशंसक थे। चित्रकार व लेखक विनोद भारद्वाज ने कहा कि ज्योति स्वरूप ने पारंपरिक चित्रकला के मिथकों को तोड़कर आधुनिकता का नया द्वार खोला।

लंदन से जुड़े मित्र, साझा किए संस्मरण

कार्यक्रम में प्रमुख अर्थशास्त्री प्रो. सुरेश दैमन ने लंदन से वीडियो कॉल के माध्यम से जुड़कर अपने आत्मीय मित्र को याद किया। कार्यक्रम का गरिमामय संचालन कलाकार के अनुज डॉ. श्यामसिंह कच्छवाहा ने किया। उन्होंने एक रोचक तथ्य साझा करते हुए बताया कि ज्योति स्वरूप ने परिजनों की इच्छा के विपरीत इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़कर चित्रकला की दुनिया चुनी और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

मीरा रोड में 'सृष्टि फाउंडेशन' का भव्य कवि सम्मेलन संपन्न

कवियों ने अपनी रचनाओं से बांधा समां

मुंबई. शाबाश इंडिया। मीरा रोड स्थित समाज हॉल में 'सृष्टि फाउंडेशन' के तत्वावधान में एक शानदार कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। साहित्य और काव्य के इस संगम में शहर के प्रबुद्ध रचनाकारों ने अपनी लेखनी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का सफल संयोजन विपिन गुप्ता ने किया, जबकि अध्यक्षता अविनाश त्रिपाठी द्वारा की गई। समारोह की मुख्य अतिथि मीरा भयंदर की पूर्व महापौर डिंपल मेहता रहीं और विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवयित्री डॉ. नीलिमा पांडे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ अन्नपूर्णा गुप्ता के कुशल संचालन और माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। काव्य पाठ की शुरूआत में डॉ. नीलिमा पांडे ने अपने सुमधुर गीतों से वातावरण को रसमय कर दिया। पत्रकार व साहित्यकार लक्ष्मीकांत 'कमल नयन' ने अपनी ओजस्वी पंक्तियों से खूब तालियां बटोरीं। आयोजक विपिन गुप्ता, पुष्पा चौधरी, असलम हसन, बिट्टू जैन और रोशनी किरण ने भी अपनी रचनाओं से देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। अंत में अध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी के काव्य पाठ ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। सृष्टि फाउंडेशन की टीम ने सभी अतिथि साहित्यकारों को अंग वस्त्र एवं सम्मान चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। आयोजक विपिन गुप्ता ने सभी आगंतुकों और कवियों का आभार व्यक्त किया।

पंचकल्याणक महोत्सव की पूर्व बेला

भगवान के माता-पिता का तिलक एवं गोद भराई समारोह संपन्न

घुवारा. शाबाश इंडिया। चर्या शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में धर्मनगरी घुवारा में भक्ति का अनूठा उल्लास छाया हुआ है। आगामी 22 से 27 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाले 'श्री मज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' के उपलक्ष्य में भगवान के माता-पिता के चयन और उनके सम्मान का भव्य कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। सकल दिगंबर जैन समाज घुवारा की उपस्थिति में आयोजित इस समारोह में मुख्य पात्रों की घोषणा की गई। महोत्सव के लिए महाराजा नाभि राय (सेठ सुखानंद जी) एवं महारानी मरुदेवी (श्रीमती भगवती सेठ) को भगवान के माता-पिता बनने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। प्रमोद कुमार जैन (मस्ताई) के सौजन्य से मुख्य बाजार स्थित निज निवास पर आयोजित इस कार्यक्रम में शहनाई की गूंज और ढोल-नगाड़ों के बीच खुला मंच सजाया गया। बग्घी पर सवार होकर जब भगवान के माता-पिता, सौधर्म इंद्र और कुबेर आदि पात्रों का आगमन हुआ, तो पूरा वातावरण जयकारों से गूंज उठा। जैन समाज के साथ-साथ जैनेतर समाज के लोगों ने भी इस भव्य शोभायात्रा और भावुक दृश्यों का आनंद लिया।

बड़ा मलहरा में देर रात तक चली गोद भराई की रस्में

पंचकल्याणक की खुशियों की लहर पड़ोसी कस्बे बड़ा मलहरा तक भी पहुंची। वहाँ सकल जैन समाज की उपस्थिति में श्रीमती जमुना देवी, संतोष सिंघई, उत्तम सिंघई एवं सिद्धार्थ सिंघई के निवास पर गोद भराई का मांगलिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रतिष्ठाचार्य शुभम जी के निर्देशन में धार्मिक क्रियाएं और मांगलिक रस्में देर रात तक श्रद्धापूर्वक संपन्न हुईं। आयोजन के अंत में उपस्थित सभी धर्मावलंबियों का स्वल्पाहार एवं आतिथ्य सत्कार किया गया। पूरे क्षेत्र में इस महोत्सव को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है और नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया है।

'रंगरसिया 2026': रंग, संस्कृति और महिला सशक्तीकरण का अनूठा संगम, लीनेस बहनों ने बिखेरे उत्साह के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया

ऑल इंडिया लीनेस सर्विस ऑर्गेनाइजेशन (डिस्ट्रिक्ट फर्स्ट-1 स्वयंसिद्धा) के तत्वावधान में प्रांतीय होली मिलन एवं सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह 'रंगरसिया 2026' का भव्य आयोजन वैशाली नगर स्थित 'विन सिग्नेचर प्राइम बाय वेस्टा' में संपन्न हुआ। लीनेस क्लब 'जयपुर ब्लू डायमंड' के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, शक्ति और संस्कृति की त्रिवेणी देखने को मिली।

शपथ ग्रहण और विजन साझा

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और अनामिका द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ। इस अवसर पर लीनेस प्रांत के पाँच प्रमुख क्लबों–ब्लू डायमंड, रॉयल, रूबी, वृंदा व परिणीता के पदाधिकारियों को मल्टीपल एडमिनिस्ट्रेटर एवं शपथ अधिकारी अंजना जैन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रांतीय अध्यक्षा सीमा अग्रवाल, युवा उद्योगपति प्रकाश पोरवाल, मल्टीपल अध्यक्षा अंजना सिंहल और रीजनल चेयरमैन डॉ. शिल्पम जोशी ने अपने संबोधन में संगठन की सेवा गतिविधियों और महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताएं

होली के रंग में सराबोर इस उत्सव में ब्लू डायमंड क्लब की तृप्ति और अनामिका ने मनोहारी 'राधा-कृष्ण नृत्य' प्रस्तुत किया।

वहीं निर्मला, सरिता, सावित्री और पुष्पा के सामूहिक नृत्य ने समां बांध दिया। अलका गर्ग के प्रभावी मंच संचालन और सावी विजयवर्गीय द्वारा आयोजित 'रंगीली हाऊजी' व 'लकी ड्रॉ' ने सभी सदस्यों का उत्साह दोगुना कर दिया।

प्रतियोगिताओं के परिणाम

होली क्वीन: गीता बंसल (अशोकनगर क्लब)
एकल नृत्य: अनुभा जैन (प्रथम), मंदीप नारंग (द्वितीय)
फैंसी ड्रेस (स्वांग): आशा डोसी (प्रथम), प्रिया मेहता एवं पूनम शर्मा (द्वितीय)

सम्मान और आभार

समारोह में संगठन की वरिष्ठ सदस्य ललिता मेहता, हेमलता बख़्शी, वीणा पारख, कुसुम सौगानी, उषा भंडारी और अनुभा जैन को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका शकुन्तला विजयवर्गीय ने सफल आयोजन हेतु मीना अग्रवाल, निर्मला विजयवर्गीय, सरिता विजयवर्गीय सहित पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में एकता, प्रेम और महिलाओं की नेतृत्व क्षमता को निखारने का कार्य करते हैं। अंत में सामूहिक स्नेहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चैत्र नवरात्रि 2026

सर्वार्थ सिद्धि योग में होगी कलश स्थापना, जानें घट स्थापना के शुभ मुहूर्त और विधि

मुरैना (मनोज जैन नायक)। इस वर्ष चैत्र (बसंत) नवरात्रि का प्रारंभ और समापन दोनों ही 'सर्वार्थ सिद्धि योग' जैसे अत्यंत शुभ संयोग में होने जा रहे हैं। वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन के अनुसार, इस बार प्रतिपदा तिथि का क्षय होने के कारण नवरात्रि का प्रारंभ अमावस्या युक्त प्रतिपदा तिथि में 19 मार्च, गुरुवार को होगा।

कलश स्थापना का समय और शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य के अनुसार, प्रतिपदा तिथि 19 मार्च को सुबह 06:53 बजे प्रारंभ होगी। उदया तिथि के मान से घट स्थापना इसी दिन सर्वार्थ सिद्धि योग के श्रेष्ठ मुहूर्त में की जाएगी:

प्रातः काल का मुहूर्त: सुबह 06:52 से 07:41 बजे तक (शुभ की चौघड़िया)।

दोपहर (अभिजीत) मुहूर्त: दोपहर 12:01 से 12:49 बजे तक (लाभ की चौघड़िया)।

वर्जित समय: राहुकाल दोपहर 01:56 से 03:26 बजे तक रहेगा। साथ ही प्रातः 07:54 से 10:55 बजे तक रोग व उद्वेग की चौघड़िया रहेगी। इन समयों में कलश स्थापना से बचना चाहिए।

नवरात्रि की प्रमुख तिथियाँ और माता के स्वरूप

19 मार्च (गुरुवार): माँ शैलपुत्री पूजन (घट स्थापना/गुड़ी पड़वा)।

20 मार्च (शुक्रवार): माँ ब्रह्मचारिणी (चेटीचंड/झूलेलाल जयंती)।

21 मार्च (शनिवार): माँ चंद्रघंटा (गणगौर पूजन/गौरी तीज)।

22 मार्च (रविवार): माँ कुष्मांडा पूजन।

23 मार्च (सोमवार): माँ स्कंदमाता पूजन।

24 मार्च (मंगलवार): माँ कात्यायनी पूजन।

25 मार्च (बुधवार): माँ कालरात्रि पूजन।

26 मार्च (गुरुवार): माँ महागौरी (दुर्गाष्टमी/राम नवमी व्रत)।

27 मार्च (शुक्रवार): माँ सिद्धिदात्री (राम नवमी/नवरात्रि पूर्ण)।

विशेष शुभ योगों का संगम

इस नवरात्रि में 19, 20, 25, 26 और 27 मार्च को सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसके अलावा 20 मार्च को अमृत सिद्धि योग तथा 22, 23, 24, 26 और 27 मार्च को रवि योग का प्रभाव रहेगा। रवि योग समस्त दोषों को शांत कर कार्य सिद्धि प्रदान करने वाला माना गया है।

कलश स्थापना की सरल विधि

पूजा स्थल पर चौकी रखकर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।

मिट्टी के पात्र में जौ (जवारे) बोएं।

कलश में जल भरकर उसमें अक्षत और सुपारी डालें।

कलश के मुख पर आम के पत्ते रखें और लाल कपड़े में लिपटा नारियल स्थापित करें।

दीप-धूप जलाकर माँ दुर्गा का आह्वान कर संकल्प लें।

कथक की पदचाप और लोक धुनों का संगम

जयपुर घराने की जीवंतता से महकी राजस्थान दिवस की शाम

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान दिवस के उल्लास के बीच गुलाबी नगरी में जयपुर घराने के शास्त्रीय कथक और प्रदेश की लोक संस्कृति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। जयपुर कथक केंद्र के विद्यार्थियों ने अपनी विशेष प्रस्तुति के माध्यम से न केवल राजस्थान की मिट्टी की महक बिखेरी, बल्कि परंपरा और समकालीन कलात्मक अभिव्यक्ति का एक उत्कृष्ट उदाहरण भी पेश किया।

जयपुर घराने की ऊर्जा और लोक संगीत की मिठास

शास्त्रीय नृत्य कथक के तीन प्रमुख स्तंभों—लखनऊ, बनारस और जयपुर—में से जयपुर घराना अपनी तकनीकी शुद्धता, सशक्त पदचालन (फुटवर्क) और जटिल लयकारी के लिए विश्व प्रसिद्ध है। कार्यक्रम में कलाकारों ने इस घराने की ओजस्वी शैली को राजस्थान के लोक संगीत की मधुर धुनों के साथ पिरोकर एक अनूठा 'फ्यूजन' प्रस्तुत किया। यह संगम न केवल तकनीकी रूप से दक्ष था, बल्कि राजस्थान की गौरवशाली विरासत के प्रति एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि भी रहा।

मंच पर सजी सुरों और तालों की महफिल

मंजोत चावला के निर्देशन और क्यूरेशन में सजे इस कार्यक्रम में संगीत पक्ष बेहद सशक्त रहा। पखावज पर प्रवीण आर्य, हारमोनियम पर रमेश मेवाल, सितार पर किशन कथक और तबले पर मोहित कथक की जुगलबंदी ने समां बांध दिया। वहीं नगाड़ा, खड़ताल, सारंगी और ढोल जैसे लोक वाद्यों ने प्रस्तुति में राजस्थानी रंग भर दिए। कथक कलाकारों में मानस्वी पचिसिया, मनुहर जोशी, अनुश्का शर्मा सहित अन्य शिष्याओं ने अपने सधे हुए कदमों से मंच पर जादू बिखेरा, वहीं लोक कलाकारों ने राजस्थान के पारंपरिक नृत्यों की मनमोहक प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण अनिवार्य: गोपाल शर्मा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक श्री गोपाल शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया। उन्होंने कलाकारों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जयपुर कथक केंद्र अपनी प्राचीन विधा को सहेजने के साथ-साथ उसे लोक परंपराओं से जोड़कर युवा पीढ़ी के लिए सुलभ बना रहा है, जो प्रशंसनीय है।

मुख्य कलाकार एवं संगत:

गायन: खुशी कथक एवं भावना कथक।

पढ़ंत: चेतन कुमार जावड़ा एवं सिमरन अग्रवाल।

वादन: गोपाल खीची (नगाड़ा), लकी राणा (खड़ताल), अमीरुद्दीन (सारंगी), धीरज कथक (ढोल)।

सांगानेर में गूंजेंगे करोड़ों मंत्र: 'सर्वतोभद्र मंगल विधान' से होगा जन-जन का कल्याण

आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के सानिध्य में आज से होगा 10 दिवसीय भक्ति का महाकुंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के पावन परिसर में आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के मंगल सानिध्य में 10 दिवसीय 'सर्वतोभद्र मंगल विधान' का भव्य शुभारंभ 19 मार्च (गुरुवार) से होने जा रहा है। टोंक रोड स्थित कंवर का बाग में आयोजित होने वाला यह अनुष्ठान 28 मार्च तक चलेगा।

विधान की महिमा: 101 पूजा और 2001 अर्घ्य

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि सर्वतोभद्र विधान सर्व-जन कल्याण का मार्ग है। इसमें तीन लोक के अकृत्रिम जिनालयों, तीर्थंकर देवों और 170 कर्मभूमि के समस्त नव देवताओं की सामूहिक आराधना की जाती है। प्रशासनिक समन्वयक सुरेंद्र जैन ने बताया कि विधान हेतु 18 फीट लंबा और 12 फीट चौड़ा भव्य मंडल सजाया गया है। इस अनुष्ठान में प्रत्येक पुण्यशालक द्वारा 101 पूजाओं के माध्यम से कुल 2001 अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे। करीब 800 जोड़े एक साथ पूजन कर विश्व शांति हेतु करोड़ों मंत्रों का जाप करेंगे।

भव्य मंगल शोभायात्रा और कार्यक्रम की रूपरेखा

मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि गुरुवार प्रातः कार्यक्रम का शुभारंभ देव आज्ञा, गुरु आज्ञा और घट पूजन के साथ होगा। प्रातः 6:30 बजे: भव्य घटयात्रा एवं मंगल शोभायात्रा हाथी, घोड़े और बैंड-बाजों के साथ मंदिरजी से रवाना होकर टोंक रोड और विभिन्न मार्गों से होते हुए 'कंवर का बाग' पहुंचेगी। प्रातः 8:00 बजे: ध्वजारोहण, मंडप शुद्धि, अभिषेक, शांतिधारा और इंद्र प्रतिष्ठा के साथ विधान प्रारंभ होगा। दोपहर: आचार्य श्री के प्रवचन एवं समस्त समाज हेतु 'वात्सल्य भोज' का आयोजन होगा। सायंकाल: 48 दीपों से महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की

प्रस्तुति दी जाएगी। विधान हेतु मुख्य पात्रों का चयन उत्साहपूर्वक किया गया, जिसमें मूलचंद पाटनी परिवार को 'सौधर्म इंद्र' और महावीर कुमार सिरौली को 'कुबेर इंद्र' बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। समाजसेवी अनिल जैन (बनेठा) परिवार द्वारा ध्वजारोहण की रस्म संपन्न की जाएगी।

समिति की सक्रियता

इस विशाल आयोजन को सफल बनाने में नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सौगानी, महिला मंडल अध्यक्ष बबीता सौगानी, राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन (कोटखावदा), अनिल जैन बनेठा, प्रकाश बाकलीवाल, पारस जैन और देवेंद्र बाकलीवाल सहित संपूर्ण दिगंबर जैन समाज सांगानेर सक्रिय रूप से जुटा हुआ है।

स्वर साधना और समाज सेवा का संगम: राजस्थान संगीत संस्थान में एनएसएस शिविर का भव्य समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान संगीत संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मधुर सरस्वती वंदना और एनएसएस लक्ष्य गीत उठे समाज के लिए के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनएसएस राज्य समन्वयक श्री कृष्ण कुमार कुमावत रहे, जबकि अध्यक्षता संस्थान के प्राचार्य श्री एम.एल. दायमा ने की। इस अवसर पर आई बैंक सोसायटी की डॉ. दीपाली भार्गव, समर्पण संस्थान की आचार्या अनंदा गौतमी सहित कई गणमान्य जन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यातायात सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पर मंथन

मुख्य वक्ता के रूप में पुलिस विभाग के डिप्टी कमिश्नर (यातायात) श्री प्रवीण कुमार (लोकप्रिय नाम: पीके मस्त) ने स्वयंसेवकों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग और सड़क सुरक्षा के गुर सिखाए। हेड कांस्टेबल प्रेम सिंह ने अपने चिरपरिचित मजाकिया अंदाज में यातायात नियमों की जानकारी दी। शिविर में प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. दिलीप सारण ने स्वस्थ जीवनशैली और एसबीआई के डिप्टी मैनेजर श्री कृष्ण मीणा ने वित्तीय साक्षरता पर प्रकाश डाला।

महिला सशक्तीकरण और करियर मार्गदर्शन

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अरुणा सुरेश और नंदा सिंह ने महिला सशक्तीकरण पर प्रेरक विचार साझा किए। शिविर की सफलता की रिपोर्ट कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ममता ने प्रस्तुत की। वहीं डॉ. वंदना खुराना ने करियर की चुनौतियों और डॉ. कविता सक्सेना ने राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सामूहिक राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के साथ इस गरिमामय शिविर का समापन हुआ।

धुलियान में गूंजे प्रभु के जयकारे

श्री अनंतनाथ एवं अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव संपन्न

धुलियान (पश्चिम बंगाल). शाबाश इंडिया। स्थानीय श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को तीर्थंकर अनंतनाथ एवं अरहनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः काल में भगवान के अभिषेक और विश्व शांति की मंगल कामना के साथ की गई शांतिधारा से हुआ। इसके पश्चात, श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ पहले भगवान अनंतनाथ के ज्ञान कल्याणक का अर्घ्य समर्पित किया। महोत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में भगवान अनंतनाथ और तत्पश्चात भगवान अरहनाथ के मोक्ष कल्याणक के प्रतीक स्वरूप 'निर्वाण लाडू' चढ़ाए गए। इस अवसर पर समाज के संजय बड़जात्या ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि धुलियान मंदिर का वातावरण आज इतना भक्तिमय और अलौकिक था, मानो सभी श्रद्धालु साक्षात श्री सम्मेद शिखर जी के 'स्वयंभूवर कूट' और 'नाटक कूट' पर उपस्थित होकर प्रभु के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित कर रहे हों। संपूर्ण जैन समाज ने सामूहिक पूजन और अर्घ्य समर्पण के माध्यम से धर्म लाभ लिया। महोत्सव के अंत में आरती और मंगल गान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।